Chapter 8: Kar Chale Hum Fida - Kaifi Azmi

कर चले हम फिदा - कैफी आजमी

1. Poet Introduction: Kaifi Azmi

- जन्म: 14 जनवरी 1919, मिजवां (आजमगढ़, उत्तर प्रदेश)
- पूरा नाम: सैयद अतहर हुसैन रिज़वी "कैफी"
- युग: प्रगतिवाद, इप्टा (IPTA) आंदोलन
- शिक्षा: लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई (अधूरी)
- पेशा: कवि, गीतकार, फिल्म गीत लेखक
- विवाह: शौकत कैफी (प्रसिद्ध अभिनेत्री) से
- पुत्री: शबाना आजमी (प्रसिद्ध अभिनेत्री)
- काव्य शैली: ओजपूर्ण, देशभक्ति, क्रांतिकारी
- भाषा: उर्दू-हिंदी मिश्रित, सरल और प्रभावशाली
- प्रमुख रचनाएं: झंकार, आवारा सज्दे, आखिर-ए-शब, सरमाया
- फिल्मी गीत: "कर चले हम फिदा", "दीवाना हुआ बादल", "तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो"
- सम्मान: पद्म श्री (1974), साहित्य अकादमी पुरस्कार (1973)
- मृत्यु: 10 मई 2002, मुंबई

2. Historical Context and Background

- रचना काल: 1962-63, भारत-चीन युद्ध के समय
- युद्ध की पृष्ठभूमि: 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण किया
- देशभक्ति का उफान: पूरा देश सैनिकों के साथ खड़ा हो गया
- फिल्म "हकीकत": यह गीत फिल्म "हकीकत" (1964) के लिए लिखा गया
- संगीतकार: मदन मोहन ने संगीतबद्ध किया
- गायक: मोहम्मद रफी ने गाया
- प्रभाव: यह गीत सैनिकों का प्रेरणा गीत बन गया
- वर्तमान में: आज भी गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस पर बजाया जाता है
- सैनिक सम्मान: शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि का गीत

3. Detailed Poem Analysis

मुख्य पंक्तियां और गहन व्याख्या:

"कर चले हम फिदा जानो-तन साथियों, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों"
- भावार्थ: हम अपना तन-मन देश के लिए न्योछावर कर रहे हैं, अब देश आपके हवाले है
- संदेश: सैनिक अपनी जान देकर देश की रक्षा करते हैं
- जिम्मेदारी: अब देश की रक्षा आम नागरिकों की जिम्मेदारी है

"साँस थमती गयी नब्ज़ जमती गयी, फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया"
- भावार्थ: साँस रुक रही थी, नब्ज़ जम रही थी (मृत्यु निकट थी), फिर भी आगे बढ़ते रहे
- वीरता: मरते हुए भी पीछे नहीं हटे
- साहस: मृत्यु का भय नहीं, देश की रक्षा महत्वपूर्ण

"कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं, सर हिमालय का हमने न झुकने दिया"
- भावार्थ: हमारे सिर कट गए तो कोई दुख नहीं, लेकिन हिमालय (देश) का सिर झुकने नहीं दिया
- प्रतीक: हिमालय = भारत का गौरव और सम्मान
- बलिदान: व्यक्तिगत जीवन से देश का सम्मान बड़ा

"जिंदगी तो अपनी मेहमां मोहलत की, लौटनी है, न है कोई अपना यहाँ"
- भावार्थ: जीवन तो मेहमान है, कुछ दिनों का है, वापस जाना ही है
- जीवन दर्शन: जीवन नश्वर है, देश के लिए मरना सार्थक मृत्यु है
- निडरता: मृत्यु का भय नहीं, यह तो होनी ही थी

"खींच दो अपने खूं से जमीं पर लकीर, इस तरफ आने पाए न रावन कोई"
- भावार्थ: अपने खून से धरती पर एक लकीर खींच दो, इधर कोई दुश्मन न आने पाए
- प्रतीक: रावन = शत्रु, खून की लकीर = सीमा रेखा
- संदेश: सीमा की रक्षा प्राण देकर करनी है

4. Central Themes

- देशभक्ति और बलिदान: देश के लिए जान देना सर्वोच्च त्याग
- वीरता और साहस: मृत्यु का भय न करते हुए लड़ना
- कर्तव्य परायणता: सैनिक का प्रथम कर्तव्य देश की रक्षा
- राष्ट्रीय गौरव: देश के सम्मान को बचाना
- शहादत की महिमा: शहीद होना सर्वोच्च सम्मान
- प्रेरणा: आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करना
- जीवन का उद्देश्य: देश सेवा ही जीवन का सार

- एकता का संदेश: सभी को मिलकर देश की रक्षा करनी है

5. Literary Devices

- भाषा: उर्दू-हिंदी मिश्रित, सरल और ओजपूर्ण
- शैली: गीतात्मक, प्रेरणादायक, ओजस्वी
- छंद: गीत शैली, लयबद्ध
- प्रतीक:

- हिमालय = भारत का गौरव
- रावन = शत्रु
- खून की लकीर = सीमा

- अलंकार:

- रूपक: हिमालय को देश के सम्मान के रूप में
- अनुप्रास: "साँस थमती", "नब्ज़ जमती"

- शब्द शक्ति: जोशीले शब्दों का प्रयोग
- संवेदना: शहीद सैनिकों के प्रति श्रद्धा
- स्वर: वीर रस, ओजपूर्ण, प्रेरक

6. Important Questions

प्रश्न 1: "कर चले हम फिदा" गीत की रचना किस संदर्भ में हुई?
उत्तर: यह गीत 1962 के भारत-चीन युद्ध के संदर्भ में लिखा गया था। फिल्म "हकीकत" (1964) के लिए कैफी आजमी ने यह गीत लिखा। यह उन वीर सैनिकों को समर्पित है जिन्होंने देश की रक्षा में अपनी जान दी।

प्रश्न 2: "सर हिमालय का हमने न झुकने दिया" - इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: हिमालय भारत के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। सैनिक कहते हैं कि हमारे सिर भले ही कट गए, लेकिन हमने देश का सम्मान नहीं झुकने दिया। व्यक्तिगत जीवन से देश का गौरव बड़ा है।

प्रश्न 3: गीत में सैनिकों की किन विशेषताओं का वर्णन है?
उत्तर: (1) देशभक्ति - देश के लिए जान देने को तैयार, (2) वीरता - मृत्यु का भय नहीं, (3) कर्तव्यनिष्ठा - देश की रक्षा प्रथम कर्तव्य, (4) साहस - मरते हुए भी आगे बढ़ना, (5) त्याग - अपना सब कुछ देश के लिए।

प्रश्न 4: "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों" - सैनिक किसे संबोधित कर रहे हैं?
उत्तर: शहीद सैनिक आम नागरिकों को संबोधित कर रहे हैं। वे कहते हैं कि अब हम जा रहे हैं (शहीद हो रहे हैं), अब देश की रक्षा की जिम्मेदारी आपकी है। यह आने वाली पीढ़ी को देश सेवा का संदेश है।

प्रश्न 5: गीत का केंद्रीय संदेश क्या है?
उत्तर: गीत का केंद्रीय संदेश है देशभक्ति, त्याग और बलिदान। सैनिक अपनी जान देकर देश की रक्षा करते हैं। हर नागरिक को देश की सेवा करनी चाहिए और शहीदों के बलिदान को याद रखना चाहिए।